

प्रेषक,

अमिताभ श्रीवास्तव,  
अपर सचिव,  
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल विभाग,  
देहरादून।

संख्या-117/VI-1/2004

युवा कल्याण अनुभाग

देहरादून दिनांक 27 नवम्बर, 2004

**विषय:- जनपद चमोली के स्थान गोचर में मिनी स्टेडियम के निर्माण हेतु धन आवंटन के सम्बन्ध में।**

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-45/VI-1/2004, दिनांक 20 अक्टूबर, 2004 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि मिनी स्टेडियम गोचर के निर्माण हेतु वित्त विभाग की टी0ए0सी0 द्वारा रू0 46.22 लाख के आंगणन के सापेक्ष स्वीकृत आंगणन रू0 37.00 लाख के विरुद्ध इस वित्तीय वर्ष-2004-05 में प्राविधानित धनराशि रू0 50.00 लाख में से 17.00 लाख (रू0 सत्रह लाख मात्र) निम्नलिखित शर्तों के आधार पर व्यय करने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- उक्त स्वीकृत धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ स्वीकृत की जाती है कि मितव्ययी मदों में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाय। यहां यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता जिसे व्यय करने के लिये बजट मैनुअल या वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने के पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय सम्बन्धित की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिये। व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है। व्यय करते समय मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों में निहित निर्देश का कड़ाई से अनुपालन किया जाय।

3-आंगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों को जो दरें शिड्यूल आफ रेट में स्वीकृत नहीं है, अथवा बाजार भाव से ली गई हो, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता को अनुमोदन आवश्यक होगा।

4-कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के कार्य प्रारम्भ न किया जाय।

5-कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितना कि स्वीकृत नार्म है, स्वीकृत नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।

6-एक मुश्त प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आंगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा।

7-कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि के मध्य नजर रखते एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्य को सम्पादित कराते समय पालन करना सुनिश्चित करें।

8-कार्य कराने से पूर्व स्थल का भली-भांति निरीक्षण उच्चाधिकारियों के साथ अवश्य करा लें। निरीक्षण के पश्चात स्थल आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जाय।

9-आंगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गई है, उसी मद पर व्यय किया जाए, एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाए।

9(ए)-निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व किसी प्रयोगशाला से टैस्टिंग करा ली जाय तथा उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को प्रयोग में लाया जाय।

10-उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष-2004-05 के आय व्यय के अनुदान संख्या-11 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-2204-खेल कूद एवं युवा सेवाएँ-00-001-निर्देशन तथा प्रशासन-07-ग्रामीण क्षेत्रों में मिनी स्टेडियम-00-24-वृहत निर्माण कार्य मानक मद के नामें डाला जायेगा।

11-उपरोक्त आदेश वित्त विभाग के अशासकीय पत्र संख्या-903/वित्त अनुभाग-2/2004, दिनांक 20 नवम्बर, 2004 में प्राप्त उनकी सहमति से प्राप्त किए जा रहे हैं।

भवदीय,


अमिताभ श्रीवास्तव  
अपर सचिव

पृष्ठांकन संख्या- (1) VI-1/2004-04 युवा0/2003 तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

- 1- महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, ओबराँय बिल्डिंग सहारनपुर रोड़, देहरादून।
- 2- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 3- श्री एल0एम0 पन्त, अपर सचिव, वित्त विभाग, उत्तरांचल शासन।
- 4- वित्त अनुभाग-2, उत्तरांचल शासन।
- 5- अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण सेवा, जनपद-चमोली (गोपेश्वर)।
- ✓ 6- एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर।
- 7- निजि सचिव, मा0 मुख्यमंत्री जी, उत्तरांचल शासन।
- 8- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

  
(अमिताभ श्रीवास्तव)  
अपर सचिव।